नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 123
दि. 01.09.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

यूपी: नेपालगंज रोड से वाराणसी के लिए शुरू हुई नई रेल सेवा, सीएम योगी ने किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले इस क्षेत्र में मीटर गेज की रेल लाइन हुआ करती थी। अब इसे ब्रॉड गेज में परिवर्तित करने के साथ विद्युतीकरण भी पूरा हो चुका है। इससे इस क्षेत्र में तेज गति से चलने वाली ट्रेनों का संचालन संभव हुआ है।

(जीएनएस)।

रुपईडीहा, बहराइच, भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक बन गया। नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन से वाराणसी सिटी के लिए नई रेल सेवा का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया गया।

कार्यक्रम में बहराइच सांसद आनंद कुमार गोंड, पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड, सांसद जगदंबिका पाल, नानपारा विधायक रामनिवास वर्मा, बलहा विधायक सरोज सोनकर, सदर विधायक अनुपमा जायसवाल, एमएलसी प्रज्ञा त्रिपाठी सहित रेलवे के महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद रहे।

56 किलोमीटर रेलखंड पर 730 करोड़ रुपये की परियोजना

रेलवे की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत लगभग 56 किलोमीटर लंबे रेलखंड का अमान परिवर्तन और विद्युतीकरण कराया गया है। करीब 730 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई परियोजना में मीटर गेज रेल लाइन को ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। विद्युतीकरण पूरा होने के बाद अब इस रेलखंड पर तेज गति से आधुनिक ट्रेनों का संचालन संभव हो गया है।

परियोजना के अंतर्गत यात्रियों और क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए 31 सबवे, तीन ओवरब्रिज, तीन प्लेटफार्म, एक फुट ओवरब्रिज, टॉयलेट तथा चार हाईमास्ट जैसी सुविधाओं का निर्माण कराया गया है। इसके साथ ही नेपालगंज रोड, नानपारा, रिसिया और मटेरा रेलवे स्टेशनों पर नई स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण भी कराया गया है।

मुख्यमंत्री बोले - मीटर गेज

से ब्रॉड गेज तक पहुंचा क्षेत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले इस क्षेत्र में मीटर गेज की रेल लाइन हुआ करती थी। अब इसे ब्रॉड गेज में परिवर्तित करने के साथ विद्युतीकरण भी पूरा हो चुका है। इससे इस क्षेत्र में तेज गति से चलने वाली ट्रेनों का संचालन संभव हुआ है।

मुख्यमंत्री ने विकास और रेल कनेक्टिविटी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा ह्लजब पटरी बड़ी होती है, तो रास्ते भी बड़े होते हैं, तब अवसर भी बड़े होते हैं, तो संकल्प भी बड़ा होता है।ह्व उन्होंने कहा कि बड़ी रेल लाइन केवल आवागमन का साधन नहीं है, बल्कि यह विकास के नए रास्ते खोलती है। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। नेपाल सीमा से लगे इस क्षेत्र के लिए वाराणसी तक सीधी रेल सेवा बड़ी उपलब्धि है।

वाराणसी तक सीधी ट्रेन से यात्रियों को बड़ी राहत

नेपालगंज रोड से वाराणसी सिटी तक रेल सेवा शुरू होने से रुपईडीहा, नानपारा, बहराइच और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। यात्रियों को वाराणसी जाने के लिए सड़क मार्ग पर निर्भरता कम होगी। धार्मिक, व्यावसायिक, शैक्षिक और अन्य कार्यों से वाराणसी जाने वाले यात्रियों को सीधी रेल सेवा का लाभ मिलेगा।

रेल कनेक्टिविटी बेहतर होने से भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों के अनुसार लंबे समय से इस रेलखंड को ब्रॉड गेज में परिवर्तित कर आधुनिक रेल सेवा शुरू किए जाने की मांग थी, जो अब पूरी हुई है।

नेपाल में हुई त्रासदी पर दो मिनट का मौन

कार्यक्रम के दौरान नेपाल में हुई त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों और अन्य लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि दी।

ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन करेंगे सीएम योगी, जन्माष्टमी पर अधिकारियों के साथ भी होगा मंथन

(जीएनएस)।

वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर सीएम योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर मथुरा और वृंदावन को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। सीएम योगी ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन करेंगे। विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के साथ ही अधिकारियों के साथ बैठक में मंथन करेंगे।

वह कानून व्यवस्था की समीक्षा भी कर सकते हैं। उनके वृंदावन प्रवास के दौरान गोविंद देव और रंगजी मंदिर में दर्शन की भी संभावना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अभी उनका मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम नहीं आया है। वह तीन सितंबर की दोपहर सीधे वृंदावन के पवनहंस हेलीपैड पहुंचेंगे।

यहां से वह नवनिर्मित स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का लोकार्पण करेंगे। यहां वह 446 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के साथ ही कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। साधु-संतों को सम्मानित करेंगे। फिर वह यहीं सभागार में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

सीएम ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन करने के बाद मथुरा के वेटेरिनरी यूनिवर्सिटी के गेस्ट हाउस पहुंचेंगे। यहां वह कानून व्यवस्था की समीक्षा भी कर सकते हैं। गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद सीएम चार सितंबर की सुबह श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर ठाकुर जी के दर्शन करेंगे और फिर लखनऊ रवाना हो जाएंगे।

सीएम के आगमन को लेकर सड़क के डिवाइडर, ओवरब्रिज पर रंग-रोगन के साथ ही चौराहा और तिराहा को सजाया जा रहा है। सीएम पानीगांव संपर्क मार्ग पर लगाए गए भक्ति स्तंभ का भी अवलोकन करेंगे। उनकी अद्भुत सजावट की गई है।

नगर आयुक्त ने किया प्रस्तावित रूट का निरीक्षण

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने सोमवार को मुख्यमंत्री आगमन के प्रस्तावित रूट का निरीक्षण किया। उन्होंने रूट पर स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, अतिक्रमण, अवैध होर्डिंग्स, हरित क्षेत्र, वाल पेंटिंग, सुंदरीकरण व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

यूएस-ईरान टकराव के बीच यूएई का बड़ा एक्शन, ईरानी ड्रोन को रोका; खाड़ी क्षेत्र में फिर बढ़ा तनाव

मिडिल ईस्ट में सोमवार को तनाव एक बार फिर बढ़ गया। UAE ने दावा किया कि उसने अपने समुद्री इलाके में घुसे एक ईरानी ड्रोन को रोक दिया है। यह घटना वीकेंड पर हुई वर और ईरान के बीच गोलीबारी के ठीक बाद हुई, जो एक महीने से ज्यादा समय में पहली बड़ी सैन्य कार्रवाई थी।

UAE के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ईरान ने सोमवार को देश पर एक ड्रोन दागा था जिसे समुद्री सीमा में ही इंटरसेप्ट कर लिया गया। वअए ने इसे ईरान की ओर से खतरनाक रूप से तनाव बढ़ाने वाला कदम बताया।

रविवार को वर ने ईरान के एक द्वीप पर रॉकेट लॉन्चरों पर हमला किया था।

'पीएम मोदी से मुलाकात जिंदगी में एक बार मिलने वाला मौका', किर्गिजस्तान के रक्षा अधिकारियों ने कही बड़ी बात

(जीएनएस)।

बिश्केक। किर्गिजस्तान के सैन्य अधिकारियों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुलाकात के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री से मुलाकात जिंदगी में एक बार मिलने वाला मौका था। किर्गिजस्तान के रक्षा मंत्रालय में अधिकारी कैप्टन तालाइबेक ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी से मिलना हमारे लिए जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर था। ऐसा नहीं है कि भारत के प्रधानमंत्री से आप रोज मिल सकते हैं। इसलिए यह बहुत अच्छा अनुभव था और उनका किर्गिजस्तान आना बहुत सुखद रहा।'

भारत में ट्रेनिंग ले चुके किर्गिजस्तान के अधिकारी

दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों पर तालाइबेक ने कहा, "हमने भारत में तीन वर्ष एनडीए और एक वर्ष आइएमए में ट्रेनिंग ली है। मेरे नजरिये से देखें तो ये संबंध हर वर्ष और

मजबूत हो रहे हैं।"

किर्गिज रक्षा मंत्रालय के सीनियर लेफ्टिनेंट बैमुर्जा ने कहा, "प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात हमारे लिए बहुत बड़ा मौका था। मैंने चार वर्ष भारत में सैन्य प्रशिक्षण लिया है। भारत में मेरे कई कोर्समेट और दोस्त हैं। हम अभी भी उनके संपर्क में हैं और उनसे बात करते हैं।"

किर्गिज शिक्षाविद ने पीएम मोदी की यात्रा का किया स्वागत, कहा- 'मानस और महाभारत में दोस्ती-सहनशीलता के साझा मूल्य'

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की किर्गिस्तान यात्रा के दौरान किर्गिज शिक्षाविद गुलजात मायाचिनोवा ने दोनों देशों के महाकाव्यों 'मानस' और 'महाभारत' के जरिए साझा सांस्कृतिक मूल्यों पर जोर दिया।

सभ्यतागत संवाद की पहल से जुड़ी है यह चर्चा

सोमवार को नेशनल एकेडमी ऑफ ह्लमानसह्व के इंटरनेशनल रिलेशंस एंड कोऑपरेशन डिपार्टमेंट की प्रमुख और ह्लमानस और महाभारतह्व सिविलाइजेशनल डायलॉग के इंटरनेशनल सेंटर की प्रतिनिधि मायाचिनोवा ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के सभ्यतागत संवाद के विजन से गहराई से जुड़ी है। उन्होंने याद दिलाया कि 2025 में तियानजिन में रउड समिट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने खुद सिविलाइजेशनल डायलॉग की शुरूआत की थी।

उनके अनुसार, ऐसे संवाद से लोग एक-दूसरे के और करीब आ सकते हैं तथा संस्कृतियां मजबूत होती हैं। मायाचिनोवा ने बताया कि मानस दुनिया का सबसे बड़ा महाकाव्य है। यह किर्गिज लोगों का सांस्कृतिक कोड, राष्ट्रीय पहचान, जीवन और आत्मा है। महाभारत भी इसी तरह दुनिया का सबसे बड़ा महाकाव्य है। दोनों में दोस्ती, सहनशीलता, मजबूती और सहयोग जैसे साझा मूल्य हैं। उन्होंने कहा कि इन परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को अपनाकर नई सभ्यता विकसित करने का रास्ता निकाला जा सकता है।

पूर्व राजदूत ने बताया यात्रा को बड़ी और उल्लेखनीय घटना

भारत में किर्गिस्तान के पूर्व राजदूत इब्राइमोव ओस्मोन ने भी प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को बहुत बड़ी और खास घटना बताया। उन्होंने दोनों देशों के करीबी रिश्तों पर जोर देते हुए कहा कि किर्गिस्तान और भारत के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। ओस्मोन ने भारतीय सभ्यता को दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में गिना और महाभारत की तुलना ग्रीक महाकाव्यों ओडिसी व इलियड से की। उन्होंने मानस को भी अंतरराष्ट्रीय संस्कृति की बड़ी धरोहर बताया।

10 हजार भारतीय छात्र किर्गिस्तान में पढ़ रहे हैं

पूर्व राजदूत ने शैक्षिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लगभग 10,000 भारतीय छात्र किर्गिस्तान में पढ़ाई कर रहे हैं। भारत में किर्गिस्तान के पहले राजदूत के रूप में उन्होंने भारतीय छात्रों को यहां लाने में अपनी भूमिका पर गर्व जताया। उन्होंने किर्गिज छात्रों को भी भारत भेजने का आह्वान किया और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय तथा दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों का जिक्र किया। वैज्ञानिक सहयोग मजबूत करने और भारतीय तकनीकी व आर्थिक सहयोग (ITEC) कार्यक्रम का अधिक उपयोग करने की बात कही। उन्होंने भारत को विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी ताकत बताते हुए बेंगलुरु और इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज का उल्लेख किया।

पीएम मोदी बिश्केक पहुंचे, SCO समिट में लेंगे हिस्सा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बिश्केक पहुंचे। उज्बेकिस्तान की राजकीय यात्रा पूरी करने के बाद वे 26वें शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। किर्गिज राष्ट्रपति सादिर जापारोव के निमंत्रण पर हुई इस यात्रा पर एयरपोर्ट पर कैबिनेट ऑफ मिनिस्टर्स के चेयरमैन आदिलबेक कासिमालीव ने उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने बिश्केक में भारतीय समुदाय से मुलाकात की और दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान की सराहना की। 26वें SCO समिट में 10 सदस्य देश, 15 पार्टनर देश और दो ऑब्जर्वर देश क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

उज्बेकिस्तान में प्रधानमंत्री मोदी की कविता ने लूटी महफिल, राष्ट्रपति से छात्र तक हुए दीवाने

(जीएनएस)।

उज्बेकिस्तान के हालिया दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कविता ने खूब सुर्खियां बटोरीं। उज्बेक राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने एक डिनर का आयोजन किया था, जहां कलाकारों ने प्रधानमंत्री मोदी की कविता 'अभी तो सूरज उगा है' गाकर सुनाई। इस दौरान हिंदी बोल स्क्रीन पर भी दिखाए जा रहे थे। दोनों नेता बड़े ध्यान से इसे देख रहे थे। यह पल दोनों देशों के बीच एक खूबसूरत सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखा रहा था।

ताशकंद के छात्रों ने सुनाई प्रधानमंत्री मोदी की कविताएं

ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में उज्बेक छात्रों ने प्रधानमंत्री मोदी की 3 कविताएं

हिंदी और उज्बेक दोनों भाषाओं में सुनाईं। उनके इन प्रदर्शनों में भारत के भविष्य के लिए उम्मीद और शांति का संदेश साफ दिखा। इन कविताओं से यह भी पता चला कि कला कैसे अलग-अलग देशों के लोगों को जोड़ सकती है और संस्कृति पर गहरी समझ पैदा कर सकती है।

नेपाल बाढ़ में डूब गया बैंक, अंदर बंद था ₹51 करोड़ का खजाना! पुलिस ने जान जोखिम में डालकर बचाया कैश-सोना

नई दिल्ली: नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बीच नेपाल पुलिस ने एक ऐसा कारनामा किया है जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है।

यह मामला एग्रीकल्चर डेवलपमेंट बैंक की त्रिशूली ढुंगे शाखा का है। बाढ़ के कारण पूरी बैंक पानी में डूब गई थी और वॉल्ट के अंदर करोड़ों की संपत्ति फंसी हुई थी। जानकारी मिलते ही नेपाल पुलिस ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। पुलिस ने करीब 8 घंटे तक लगातार अभियान चलाया और वॉल्ट से करीब 1.5 करोड़ रुपये नकद और लगभग 50 करोड़ रुपये कीमत का सोना बाहर निकाला। इसके अलावा बैंक के जरूरी दस्तावेज और महत्वपूर्ण रिकॉर्ड भी सुरक्षित निकाले गए।

यूपी में प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन से शुरू होगा 'सेवा संकल्प अभियान', योजनाओं का होगा प्रचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष की सेवा और सुशासन को केंद्र में रखते हुए भाजपा उत्तर प्रदेश में एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएगी। इस अभियान की शुरूआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन से होगी और यह 17 अक्टूबर तक चलेगा। लखनऊ में आयोजित बैठक और कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा और आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

(जीएनएस)।

लखनऊ, । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष की सेवा और सुशासन को केंद्र में रखते हुए भाजपा उत्तर प्रदेश में एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएगी। इस अभियान की शुरूआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन से होगी और यह 17 अक्टूबर तक चलेगा। लखनऊ में आयोजित बैठक और कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा और आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

भाजपा नेताओं के मुताबिक, अभियान के तहत पीएम मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में किए गए कार्यों, केंद्र सरकार की योजनाओं और उनके लाभ को बूथ स्तर तक जनता के बीच पहुंचाया जाएगा। इस बार अभियान को 13 सूत्रीय कार्यक्रमों से जोड़ा गया है।

उत्तर प्रदेश के मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत 13 विशेष अभियान निर्धारित किए गए हैं। पार्टी कार्यकताओं की जिम्मेदारी होगी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 25 वर्षों में देश, गरीबों और समाज के लिए जो काम किए हैं तथा सरकार की योजनाओं के जरिए लोगों को जो लाभ मिला है, उसकी जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाए।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के सेवा कार्यों के 25 वर्ष पूरे होना सभी के लिए गौरव की बात है। पार्टी के कार्यकर्ता लाभार्थियों के घर जाकर सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे। इनमें आयुष्मान कार्ड, पक्के मकान, शौचालय, बिजली और गैस कनेक्शन तथा राशन जैसी सुविधाओं को प्रमुखता से बताया जाएगा। अग्रवाल ने कोविड महामारी के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की ओर से किए गए प्रयासों को भी जनता तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं और उनके लाभार्थियों से संवाद अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

लखनऊ में युवक की चाकू मार कर हत्या, अस्पताल में मौत, पुरानी रंजिश या आपसी विवाद की आशंका, अज्ञात हमलावरों की तलाश

(जीएनएस)।

लखनऊः जनपद में महिगवां थाना क्षेत्र के गनेशपुर गांव में सोमवार को कुछ अज्ञात हमलावर ने एक 25 वर्षीय युवक को चाकू मारकर घायल कर दिया. मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को लहूलुहान हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

डीसीपी उत्तरी लखनऊ अमित कुमार आनंद के अनुसार, घटना सोमवार रात करीब 1:45 बजे की है. महिगवां थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसहिया के गनेशपुर गांव निवासी सतीश यादव (25 वर्ष) पर कुछ अज्ञात लोगों ने चाकू से हमला कर दिया. पेट और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू के गहरे घाव लगने से सतीश मौके पर ही गिर पड़ा.

मौके पर मौजूद लोगों ने मामले की सुचना पुलिस को दी. पुलिस ने बिना वक्त गंवाए घटना स्थल पर

पहुंची और घायल सतीश को एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटौंजा पहुंचाया.

हालत नाजुक होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे तत्काल लखनऊ के केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया. ट्रॉमा सेंटर पहुंचते ही डॉक्टरों की टीम ने जांच के बाद सतीश यादव को मृत घोषित कर दिया. मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया.

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है. **– अमित कुमार आनंद डीसीपी उत्तरी लखनऊ**

एसीपी बीकेटी विकास कुमार पांडेय ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है. पुलिस की फील्ड यूनिट और स्थानीय पुलिस टीम घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर रही है. युवक की हत्या के पीछे किसी पुरानी रंजिश या आपसी विवाद की आशंका जताई जा रही है.

पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है, तथा संदिग्धों की धरपकड़ के लिए छापेमारी कर रही है. पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

यूपी के 61 शिक्षकों को मिलेगा शिक्षक पुरस्कार, सीएम योगी करेंगे सम्मानित, आपके जिले से कौन? देखें लिस्ट

उत्तर प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 61 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया जाएगा।

(जीएनएस)।

लखनऊ। प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में बेहतर कार्य करने वाले 61 शिक्षक-शिक्षिकाओं को राज्य शिक्षक पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया जाएगा।

शिक्षक दिवस के अवसर पर पांच सितंबर को लोकभवन आडिटोरियम लखनऊ में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चयनित शिक्षकों को सम्मानित करेंगे। पुरस्कार के रूप में प्रत्येक शिक्षक को 25 हजार रुपये की नकद राशि, प्रशस्ति पत्र और दो वर्ष का सेवा विस्तार दिया जाएगा।

बेसिक शिक्षा विभाग ने सोमवार

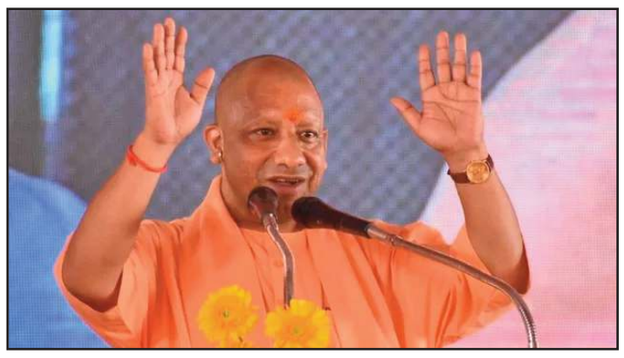

को इस संबंध में शिक्षा निदेशक (बेसिक) को आदेश जारी कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित शिक्षकों में प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक दोनों शामिल हैं। ये शिक्षक प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में कार्यरत हैं।

अपने विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, बच्चों के बेहतर शैक्षिक विकास और अन्य उल्लेखनीय कार्यों के लिए इन शिक्षकों का चयन किया गया है। राज्य स्तरीय चयन समिति की बैठक 13, 14, 18 और 19 अगस्त को हुई थी। इन बैठकों में जिलों से भेजे गए प्रस्तावों पर विचार करने के बाद शिक्षकों का चयन किया गया।

समिति की संस्तुति के आधार पर शासन ने अब सभी 61 नामों को अंतिम स्वीकृति दे दी है। बेसिक शिक्षा विभाग ने चयनित शिक्षकों और उनके विद्यालयों की जिलेवार सूची भी जारी कर दी है। शिक्षक दिवस पर होने वाले समारोह में इन सभी शिक्षकों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

मिजार्पुर द मूवी' के बोल्ड सीन पर सेंसर बोर्ड की चली कैंची, 35 सेकेंड काटे, सेंसर के फैसले पर बवाल

(जीएनएस)।

मुंबईः 'मिजार्पुर द मूवी' रिलीज से पहले ही अपने कंटेंट को लेकर चर्चा का विषय बनी हुई है। बता दें, फिल्म के ट्रेलर में हिंसा और इंटीमेट सीन्स की झलक देखने के बाद सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे थे कि सिनेमाघरों के लिए सेंसर बोर्ड इस कंटेंट को किस तरह देखता है। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) ने फिल्म के कुछ इंटीमेट सीन्स में बदलाव करने को कहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में दो जगहों पर कट और एडिट किए गए हैं। बताया जा रहा है कि एक बदलाव फिल्म के पहले हिस्से में और दूसरा दूसरे हिस्से में किया गया है। इसके साथ ही करीब 35 सेकेंड के इंटीमेट कंटेंट को हटाया गया है। वहीं संबंधित सीन्स की लंबाई भी लगभग आधी कर दी गई है।

पूरी तरह नहीं हटाए गए सीन

खास बात यह है कि सेंसर बोर्ड ने इन सीन्स को पूरी तरह फिल्म से बाहर नहीं किया है। इसके बजाय कुछ हिस्सों में कट और विजुअल-साउंड से जुड़े बदलाव किए गए हैं। इसी

वजह से फिल्म के कंटेंट को लेकर चर्चा और तेज हो गई है।

दरअसल, ट्रेलर में एक सीन ने सोशल मीडिया पर खासा ध्यान खींचा था। इसमें मुन्ना त्रिपाठी का किरदार निभाने वाले दिव्येंदु एक महिला के साथ इंटीमेट स्थिति में दिखाई देते हैं। सीन के बैकग्राउंड में एक्शन और गोलीबारी का माहौल नजर आता है। वहीं, बैकग्राउंड में '98, 99...' जैसी गिनती सुनाई देती है। इस प्रस्तुति को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने सवाल उठाए थे।

OTT से बड़े पर्दे तक बदला मामला

'मिजार्पुर' की पिछली कहानी ओटीटी पर दिखाई गई है, जहां दर्शक अपनी निजी स्क्रीन पर कंटेंट देखते हैं। लेकिन अब 'मिजार्पुर द मूवी' सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ऐसे में फिल्म के बोल्ड और हिंसक कंटेंट को लेकर सेंसर बोर्ड की भूमिका अहम हो जाती है। फिल्म के निर्देशक गुरमीत सिंह पहले ही कह चुके हैं कि फिल्म को वयस्क दर्शकों के लिए बनाने की योजना थी और उन्हें 'Adults Only' सर्टिफिकेट की उम्मीद थी।

अब सवाल यही है कि एडल्ट सर्टिफिकेट के बावजूद फिल्म में बोल्ड कंटेंट की सीमा कहां तय होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, CBFC ने कुछ सीन्स में बदलाव जरूर कराया है, लेकिन फिल्म का अंतिम वर्जन दर्शकों को कितना बदला हुआ देखने को मिलेगा, यह रिलीज के बाद ही साफ होगा।

ग्वालियर के अचलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचीं भूमि पेडनेकर, भगवान शिव की पूजा-अर्चना की

(जीएनएस)।

मुंबई, अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने ग्वालियर स्थित प्रसिद्ध अचलेश्वर महादेव मंदिर में पहुंचकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपने आध्यात्मिक दौरे की झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं। भूमि ने सोमवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर मंदिर दर्शन से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। अभिनेत्री भगवान शिव की आरती में शामिल होती दिखीं। मंदिर परिसर में वह जपमाला के साथ मंत्र जाप करती भी नजर आईं।

अचलेश्वर महादेव मंदिर के महत्व के बारे में बताते हुए भूमि ने लिखा, "हर-हर महादेव... हर जगह शांति की प्रार्थना। ग्वालियर का अचलेश्वर महादेव मंदिर लगभग 750 वर्ष पुराना माना जाता है। यह प्राचीन शिव मंदिर स्वयंभू शिवलिंग के लिए प्रसिद्ध है।"

उन्होंने मंदिर के नाम के पीछे की कथा भी साझा की। भूमि के अनुसार, यह शिवलिंग एक बरगद के पेड़ के पास प्रकट हुआ था। उस समय के राजाओं ने इसे दूसरी जगह ले जाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो

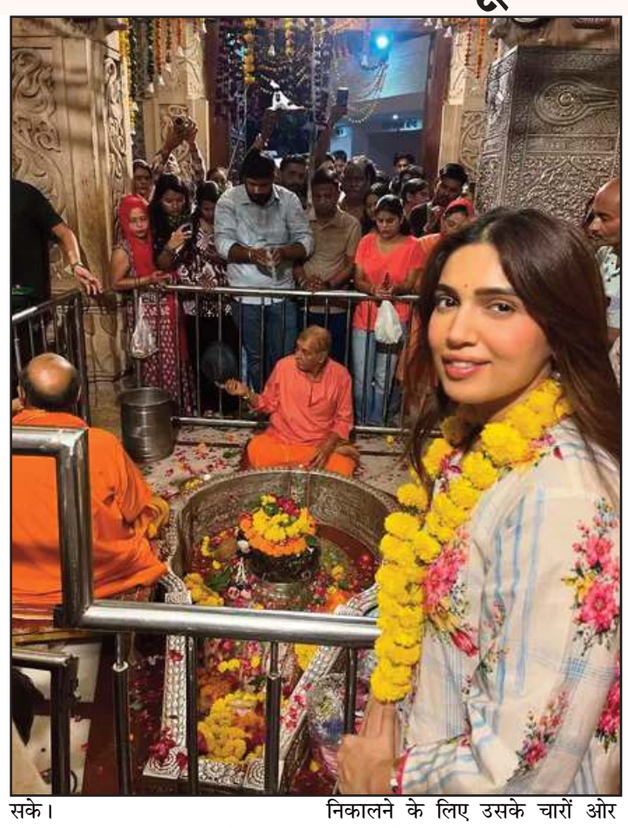

सके।

उन्होंने लिखा, "शिवलिंग को निकालने के लिए उसके चारों ओर खुदाई की गई, लेकिन केवल पानी ही मिलता रहा और शिवलिंग का अंत नहीं मिला। हर संभव प्रयास किया गया, यहां तक कि हाथियों की मदद से भी इसे खींचने की कोशिश की गई, लेकिन शिवलिंग अपनी जगह से नहीं हिला। जंजीरें टूट गईं, सभी प्रयास विफल हो गए और शिवलिंग वहीं स्थापित रहा। इसी कारण इसका नाम अचलेश्वर पड़ा, यानी वह भगवान जिन्हें हिलाया नहीं जा सकता।"

भूमि ने कहा कि मंदिर में मौजूद आध्यात्मिक ऊर्जा और शांति को शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

उन्होंने लिखा, "वहां खड़े होकर जो महसूस होता है, उसे समझाना आसान नहीं है। वहां एक अलग तरह की शांति, शक्ति और ऊर्जा का अनुभव होता है।"

अगर उनके पेशेवर जीवन की बात करें तो भूमि पेडनेकर को हाल ही में प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'दलदल' में उनके अभिनय के लिए काफी सराहना मिली। यह सीरीज लेखक विश धामिजा के चर्चित उपन्यास भेंडी बाजार पर आधारित है।

आने वाले समय में भूमि अभिनेता इमरान खान के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी।

सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड का डेटा इस बात का सबूत है कि भगवंत मान सरकार ने पंजाब के दशकों पुराने ग्राउंडवाटर संकट को ठीक करना शुरू कर दिया है: बलतेज पन्नू

पंजाब में ग्राउंडवाटर निकालने की दर चार साल में 163.80% से घटकर 152.22% हो गई, 95 ब्लॉक में सुधार दर्ज: बलतेज पन्नू

(जीएनएस)।

4 क्रिटिकल डार्क जोन ब्लॉक सेफ जोन में आए, क्रिटिकल ब्लॉक 10 से घटकर 6 हो गए; भगवंत मान सरकार की पानी बचाने के प्रयासों के नतीजे सामने आने लगे: बलतेज पन्नू भगवंत मान सरकार ने पंजाब के पानी की स्थिति बदली, नहर के पानी का इस्तेमाल 4 साल में लगभग 21% से बढ़कर 80% से ज्यादा हुआ: बलतेज पन्नू

अकाली, भाजपा और कांग्रेस जवाब दें कि जब वे सत्ता में थे तो पंजाब का नहर का पानी कहां जा रहा था: बलतेज पन्नू

95 ब्लॉक में सुधार, 14 ब्लॉक में बड़ा फायदा, ग्राउंडवाटर निकालने में 11.58 प्रतिशत पॉइंट की कमी आई: बलतेज पन्नू

नारे, झूठ या इमोशनल भाषण नहीं, बल्कि मान सरकार की दूर की सोच, प्लानिंग और प्रतिबद्धता ने पंजाब का ग्राउंडवाटर बचाया: बलतेज पन्नू

(जीएनएस)।

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने सोमवार को कहा कि ग्राउंडवॉटर के ताजा मुल्याकंन से पंजाब को उम्मीद की एक बड़ी किरण मिली है, क्योंकि सरकारी डेटा से पता चलता है कि राज्य ने उस संकट को ठीक करना शुरू कर दिया है जिसे पिछली सरकारों ने दशकों तक गंभीर होने दिया। उन्होंने कहा कि यह सुधार भगवंत सिंह मान सरकार द्वारा नहर के पानी का इस्तेमाल बढ़ाने, नहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और पंजाब की ग्राउंडवॉटर पर निर्भरता कम करने के लिए की गई लगातार कोशिशों का नतीजा है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, आप पंजाब के राज्य मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने कहा, "दशकों से, हम पंजाब के पानी को बचाने की जरूरत के बारे में सुनते आ रहे हैं। हमने नेताओं को खुद को पंजाब के पानी का कस्टोडियन कहते, प्रतीकात्मक औजार लेकर और इमोशनल भाषण देते देखा। लेकिन सवाल साधारण है: उन्होंने असल में क्या किया है? इसका जवाब अब

सरकारी डेटा के रूप में पंजाब के सामने है।"

बलतेज पन्नू ने कहा कि भगवंत मान सरकार ने नारों के बजाय प्लानिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और अमल पर ध्यान केंद्रित कर एक अलग रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया कि पंजाब नहर के पानी के अपने हिस्से का पूरा इस्तेमाल करे, जिससे ग्राउंडवॉटर पर बोझ कम हो।

उन्होंने कहा कि नहर के पानी का इस्तेमाल अब लगभग 80% से 82% तक पहुँच गया है, जो 2022 में सिर्फ. 21% के आस-पास था। उन्होंने आगे कहा, "सरकार ने 14,100 नहरें चालू की हैं, 400 किलोमीटर से ज्यादा बंद नहरों को ठीक किया है और 1,000 किलोमीटर से ज्यादा नहरों को पक्का किया है। नहर के स्ट्रक्चर की मरम्मत के साथ-साथ, ग्राउंडवॉटर को रिचार्ज करने में मदद के लिए रिचार्ज पॉइंट भी बनाए गए हैं।"

बलतेज पन्नू ने कहा कि इन उपायों का असर अब ताजा ग्राउंडवॉटर मुल्याकंन में साफ दिख रहा है। बलतेज पन्नू ने कहा, "पंजाब में ग्राउंडवाटर निकालने का लेवल 2021-22 में 163.80% से घटकर 2025 में 156.36% और 2025-26 में 152.22% हो गया है, जो चार सालों में 11.58 प्रतिशत पॉइंट्स का सुधार दिखाता है। सालाना ग्राउंडवाटर निकालने का लेवल भी लगभग 28.01 बिलियन क्यूबिक मीटर से घटकर 26.32 बिलियन क्यूबिक मीटर हो गया है।" "11.58 प्रतिशत पॉइंट्स कागज पर सिर्फ. एक आंकड़ा लग सकता है, लेकिन पंजाब के लिए इसका मतलब है कि दशकों की गिरावट के बाद, हम आखिरकार सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि ताजा मुल्याकंन की सबसे उत्साहजनक पहलू ग्राउंडवाटर मुल्याकंन ब्लॉक्स में दर्ज सुधार है। उन्होंने कहा, "पंजाब के 153 डार्क-जोन ब्लॉक में से 95 में सुधार हुआ है, जबकि गंभीर ब्लॉक की संख्या 10 से घटकर 6 हो गई है। चार ब्लॉक सुरक्षित श्रेणी में आ गए हैं, जिनमें फाजिल्का में अरनीवाला, फिरोजपुर में मक्खू, होशियारपुर में हाजीपुर और पठानकोट में नरोट जैमल सिंह शामिल हैं। अन्य 14 ब्लॉक में काफी सुधार दर्ज किया गया है।"

बलतेज पन्नू ने कहा कि ग्राउंडवॉटर रिचार्ज भी बढ़ा है, कुल सालाना रिचार्ज 19.14 बिलियन क्यूबिक मीटर है। उन्होंने कहा, "इसमें बारिश से 5.53 बिलियन क्यूबिक मीटर और नहर के पानी से 5.5 बिलियन क्यूबिक मीटर शामिल है। नहर के पानी का रिचार्ज पिछले साल के 4.5 बिलियन क्यूबिक मीटर से बढ़कर इस साल 5.5 बिलियन क्यूबिक मीटर हो गया है।"

उन्होंने कहा कि ये आंकड़े दिखाते हैं कि पंजाब के लिए खेती के लिए ट्यूबवेल पर अपनी निर्भरता कम करना क्यों जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, "निकाले गए 26.32 बिलियन क्यूबिक मीटर ग्राउंडवॉटर में से, लगभग 24.95 बिलियन क्यूबिक मीटर खेती के लिए इस्तेमाल होता है, जबकि लगभग 1.38 बिलियन क्यूबिक मीटर घरेलू और इंडस्ट्रियल कामों के लिए इस्तेमाल होता है।"

बलतेज पन्नू ने माना कि पंजाब अभी भी ग्राउंडवॉटर की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि बदलाव की दिशा जरूरी है, क्योंकि नए मुल्याकंन से पता चलता है कि ग्राउंडवॉटर निकालने में कमी आई है और कई मुल्याकंन ब्लॉक में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, "पंजाब के पानी के संकट के बारे में सिर्फ. बात करने वाली सरकारों और इसे सुलझाने का फैसला करने वाली सरकार के बीच यही फर्क है। भगवंत मान सरकार ने किसी दूसरे राज्य को मिलने वाले पानी में पंजाब का हिस्सा कम नहीं किया, बल्कि पंजाब के अपने नहर के पानी का इस्तेमाल बढ़ाया। विपक्ष को इस सवाल का जवाब देना चाहिए: जब वे सत्ता में थे तो यह पानी कहाँ जा रहा था?"

बलतेज पन्नू ने कहा कि यह डेवलपमेंट पंजाब की अगली पीढ़ी के लिए खास तौर पर जरूरी है, क्योंकि राज्य का जलसंकट आखिरकार इस बात का सवाल है कि आने वाली पीढ़ियों को क्या मिलेगा। उन्होंने कहा, "जब इतिहास लिखा जाएगा, तो हमारे बच्चों को हमसे यह नहीं पूछना चाहिए कि हमने उनके लिए रेगिस्तान क्यों छोड़ा। उन्हें यह कहने में काबिल होना चाहिए कि उनके माता-पिता की पीढ़ी ने आखिरकार समय पर एक्शन लिया। ग्राउंडवॉटर का ताजा डेटा पंजाब को यह उम्मीद देता है।"

उन्होंने कहा कि नारों से आगे बढ़कर ठोस नतीजे देने का यही शासन का तरीका दूसरे एरिया में भी देखा जा रहा है, जिसमें रोड सेफ्टी फोर्स, सरकारी स्कूलों का इंफ्रास्ट्रक्चर और पब्लिक हेल्थकेयर सिस्टम को मजबूत करना शामिल है। बलतेज पन्नू ने कहा, "इन आंकड़ों से संदेश साफ है: अगर सरकार में राजनीतिक इच्छाशक्ति है, तो पंजाब की समस्याएं हल हो सकती हैं। भगवंत मान सरकार ने वह प्रतिबद्धता दिखाई है; अब नतीजे खुद बोलने लगे हैं।"

जर्मन मानते हैं, देश पर अमेरिकी प्रभाव बढ़ा

(जीएनएस)।

जर्मनी में किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार 67 प्रतिशत नागरिकों का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद अमेरिकी राजनीतिक घटनाक्रमों का जर्मनी पर प्रभाव बढ़ गया है. जर्मनी के लगभग दो-तिहाई नागरिकों का मानना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरूआत के बाद अमेरिकी राजनीतिक घटनाक्रमों का जर्मनी पर पहले की तुलना में अधिक प्रभाव पड़ रहा है. यह जानकारी फोर्सा शोध संस्थान द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में सामने आई है.

जर्मन भाषा की पत्रिका 'इंटरनेशनल पॉलिटिक्स' के लिए कराए गए इस सर्वेक्षण में शामिल 67 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अमेरिका में होने वाले राजनीतिक घटनाक्रमों का जर्मनी पर प्रभाव अब पहले से अधिक है.

इसके उलट 29 प्रतिशत लोगों का मानना है कि अमेरिका का प्रभाव पहले जैसा ही है या कम हुआ है. इनमें 18

प्रतिशत ने कहा कि प्रभाव में कोई खास बदलाव नहीं आया है, जबकि 11 प्रतिशत लोगों ने माना कि अमेरिकी घटनाओं का प्रभाव अब पहले की तुलना में कम है. इस साल की शुरूआत में एक रिपोर्ट में बताया गया था कि जर्मनी के लोगों की अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रति सोच सकारात्मक नहीं है और वे अमेरिका को विश्व शांति के लिए खतरे के रूप में देखते हैं.

पूर्वी जर्मनी में सोच अलग

फोर्सा ने 14 अगस्त को 1,004 लोगों के बीच यह सर्वेक्षण किया था. सर्वेक्षण की त्रुटि सीमा प्लस या माइनस तीन प्रतिशत अंक बताई गई है. इसके अनुसार जनवरी 2025 में डॉनल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस लौटने के बाद अमेरिका के बढ़ते प्रभाव को लेकर राय लगभग सभी सामाजिक, आयु और मतदाता समूहों में व्यापक रूप से बंटी हुई है.

हालांकि पूर्वी जर्मनी और पश्चिमी जर्मनी के लोगों के विचारों में कुछ अंतर देखने को मिला. पूर्वी जर्मनी के 78 प्रतिशत लोगों ने माना कि अमेरिका का प्रभाव बढ़ा है, जबकि पश्चिमी जर्मनी में यह आंकड़ा 65 प्रतिशत रहा. पूर्वी जर्मनी ही वह इलाका है जहां धुर दक्षिणपंथी पार्टी एएफडी का प्रभाव सबसे ज्यादा है.

उम्र के आधार पर भी अलग-अलग रुझान सामने आए. 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के 18 प्रतिशत लोगों का मानना है कि अमेरिका का प्रभाव अब कुछ वर्ष पहले की तुलना में कम हो गया है.

युवा नहीं मानते, ट्रंप का असर

वहीं युवा वर्ग में यह धारणा काफी कमजोर रही. 18 से 29 वर्ष आयु समूह के केवल 2 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अमेरिका का प्रभाव कम हुआ है, जबकि 30 से 44 वर्ष आयु वर्ग में ऐसा मानने वालों की संख्या 6 प्रतिशत रही.

सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि जर्मनी में ज्यादातर लोग ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान अमेरिकी राजनीति के प्रभाव को पहले की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण मान रहे हैं, खास तौर पर युवा और पूर्वी जर्मनी के नागरिकों के बीच यह धारणा अधिक मजबूत दिखाई देती है.

डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में जर्मनी और अमेरिका के रिश्तों में तनाव रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति ने जर्मनी पर तल्ख टिप्पणियां की हैं और कई ऐसे फैसले लि हैं जो जर्मनी के आर्थिक हितों के खिलाफ थे. इसके अलावा अमेरिका ने जर्मनी में तैनात अपने सैनिकों की संख्या घटाने की बात भी कही थी.

नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्यशाला: विशेषज्ञों ने साझा की रणनीतियाँ

(जीएनएस)।

कटकः नशीले पदार्थों की तस्करी और संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई के लिए कटक में एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और न्यायिक अकादमी, कटक के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें न्यायिक अधिकारी, सरकारी अभियोजक, ओडिशा पुलिस, आबकारी विभाग और एनसीबी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई की चुनौतियों पर चर्चा

इस कार्यशाला में एनडीपीएस अधिनियम के तहत साक्ष्यों के महत्व, मामलों की जांच, अभियोजन और कानून में हो रहे परिवर्तनों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। पटना हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एसके साहू ने

एनडीपीएस मामलों में साक्ष्यों के मूल्यांकन और उन सामान्य कमियों पर चर्चा की, जिनके कारण आरोपी अदालत से बरी हो जाते हैं।

एनसीबी के पूर्व महानिदेशक बिभूति भूषण मिश्रा ने मादक पदार्थ कानून लागू करने वाले अधिकारियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, एनएसीआईएन के पूर्व निदेशक श्रीनिवासन गोपाल ने नारकोटिक्स कानून में हो रहे परिवर्तनों की जानकारी दी।

पंजाब एएनटीएफ ने साझा की कार्रवाई की बेहतर रणनीति

पंजाब पुलिस की एएनटीएफ की एआईजी अश्विनी गोत्याल ने नशे के खिलाफ कार्रवाई के लिए बेहतर कार्यप्रणालियों को साझा किया। एनसीबी भुवनेश्वर के जोनल निदेशक ने नारकोटिक्स नियंत्रण के विजन दस्तावेज, मादक पदार्थों की तस्करी के नए तरीकों और हालिया कानूनी परिवर्तनों पर जानकारी दी।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

कर्मभूमि के प्रति वफादारी

कर्मभूमि के प्रति वफादार रहो, मानवता एक है—न्यूयार्क में मोहन भागवत का आह्वान, न्यूयार्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने प्रवासी भारतीयों को स्पष्ट संदेश दिया कि निष्ठा उस भूमि के प्रति हो जहां वे रहते और कमाते हैं, और दृष्टि समूची मानवता की हो। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' में उन्होंने कहा, "हम अमेरिका में हैं, हम अमेरिका में रहते हैं और हम अमेरिका में कमाते हैं। इसलिए हम अमेरिकी हैं। हमें अमेरिका के प्रति सच्चा व्यवहार करना चाहिए। भारतीय प्रवासियों का कर्तव्य अपनी कमाभूमि के प्रति है। उन्हें उसे पूरा करना चाहिए। उन्हें अपनी कमार्भूमि के प्रति वफादार रहना चाहिए।" भागवत ने जन्मभूमि और कमार्भूमि का अंतर साफ किया। भारत प्रवासियों की जन्मभूमि है। यदि उनमें भारत के लिए वुछ करने की इच्छा है तो कमार्भूमि का कर्तव्य निभाने के बाद वह संभव है, निषिद्ध नहीं। भारत उनसे यह अपेक्षा नहीं करता कि वे भारत के लिए काम करें। अपेक्षा यह है कि वे उसी जीवन-दृष्टि से जिएं जो भारत ने दी है। मानवता की बेहतरी पर उनका स्वर और व्यापक था। स्वामी विवेकानंद का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र की अपनी नियति होती है। भारत की नियति विविधता में एकता को स्वयं साकार करना और समय-समय पर विश्व को यह सत्य समझाना है। हम एक हैं; विविधता उस एकता का अलंकार है, उसे मनाना चाहिए। अमेरिका की चर्चा में बहुलवाद आता है, भारत की चर्चा में विविधता में एकता। भारतीयों के लिए दोनों उनके डीएनए में हैं। विविधता प्रवृति का नियम है, एकता उसके पीछे का सत्य। जैसे व्यत्ति अपनी पहचान की रक्षा करता है, वैसे ही दूसरों की पहचान की भी रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है, केवल वर्णन करने वाले के अनुसार उसके रूप भिन्न होते हैं। मनुष्य उस सोच का बंदी है जो उसके मस्तिष्क में बैठा दी गई है। उन्होंने दोहराया, "यदि कोई हिदू यह सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिदू नहीं रह सकता। हिदू कहलाने के लिए यह मानना आवश्यक है कि सभी मार्ग एक ही ईश्वर की ओर जाते हैं और हर मनुष्य की गरिमा समान है।" मनुष्य माला के मनके हैं; आत्मा वह धागा है जो सबको जोड़ता है और स्थायी सुख का स्त्रोत है। भौतिक सुख को उन्होंने अस्थायी बताया। न्यूयॉर्व के डोनट का उदाहरण देकर कहा कि एक बैठक में कितने भी खा लो, अंत में वही वस्तु अरुचिकर लगने लगती है, फिर भी अगले दिन फिर इच्छा जागती है। इसलिए कितना कमाया, यह महत्वपूर्ण नहीं; कितना बांटा, यह महत्वपूर्ण है। करियर केवल धन या भौतिक सुख नहीं। व्यत्ति, समाज और पर्यावरण साथ-साथ आगे बढ़ें। समाज की प्रगति व्यत्ति को दबाकर नहीं होती। एक सरल परीक्षा उन्होंने रखी- भूखे व्यत्ति की निगाहें अपनी थाली पर टिकी हों तो बिना उसे दिया खा पाना मनुष्य के लिए कठिन है, क्योंकि हम मनुष्य हैं। सही दिशा में सोचो तो ईश्वर के निकट पहुंचते हो, गलत दिशा में पशुता के। पर्यावरण के प्रति कर्तव्य भी उन्होंने याद दिलाया। भारत में पौधों की पूजा इसलिए होती है कि हम कर्तव्य को स्मरण रखें, जैसे मदर्स डे या फादर्स डे पर परिवार के प्रति। राजनीति को उन्होंने स्वार्थ का खेल बताया। जहां 'मैं और मेरा' है, वहां समाधान नहीं निकलता, 'हम और हमारा' ही मार्ग है। युद्ध रोकने और नीति को प्रभावित करने की इच्छा हो सकती है, पर शुरूआत समाज से करनी होगी-संवाद और सेवा से। उन्होंने पंच परिवर्तन का संकल्प दोहरायाः अब तक जो हुआ सो हुआ; अब एक छोटा कदम एक समय में उठाओ, पहले स्वयं जियो, फिर समाज तक ले जाओ। न्यूयॉर्व के इस मंच से भागवत का संदेश एक ही सूत्र में बंधता है-निष्ठा कमार्भूमि की, दृष्टि मानवता की, जीवन बांटने और एकता को सजाने का।

भारत से नफरत, चीन की गोद में बैठने की चाहत... यूं तबाह नहीं हुआ नेपाल, मौत का कुआं बना 800किमी. लंबा हाईवे

(जीएनएस)।

नेपाल में आई तबाही में नेपाल-चीन फ्रेंडशिप हाईवे पर प्रकृति ने मौत का तांडव मचा दिया. इस हाईवे को चीन और नेपाल अपनी बेजोड़ दोस्ती का प्रतीक बता रहे थे. इसमें कहीं न कहीं भारत से एक तरह की नफरत और चीन की गोद में बैठने की चाहत दिखती थी. लेकि, प्रतीक को यह स्वीकार्य नहीं थी. नेपाल अपने यहां भारत विरोधी भावनाओं को धार देने के लिए इसी हाईवे को मास्टर स्ट्रोक बताता था. लेकिन, भारत से नफरत की यह आग ने उसे ही जला दी.

भारत के करीब-करीब सभी पड़ोसी देशों में बीते कुछ सालों में चीन प्रेम बढ़-चढ़कर बोल रहा है. पाकिस्तान तो घोषित तौर पर चीन का प्यादा है. दूसरी तरफ श्रीलंका, बांग्लादेश और यहां तक कि नेपाल भी समय-समय पर चीन प्रेम खुलकर इजहार करते रहे हैं. लेकिन, बहुत जल्दी ही इनको इस प्रेम की कीमत समझ में आने लगी है. कुछ साल पहले श्रीलंका चीन प्रेम में पागल हो गया था. फिर उनकी आर्थिक बबार्दी की कहानी दुनिया ने देखी थी. यह बहुत पुरानी नहीं है. इसी तरह इस वक्त बांग्लादेश भी चीन प्रेम की राग अलाप रहा है. बीते कुछ सालों से नेपाल भी अपने यहां भारत विरोधी भावनाएं भड़काने में लगा हुआ है. वहां के नेता लोगों में ऐसी धारणा बना रहे हैं कि उनकी समस्याओं के लिए भारत जिम्मेदार है.

इसी कड़ी में वे बेहद मुखर होकर भारत विरोधी बयान देने लगे. वे इस भावना को भुनाने के लिए चीन की गोद में बैठने की बात करने लगे है. लेकिन, उनको नहीं पता कि जिस देश के साथ रोटी-बेटी का रिश्ता है, उसके साथ प्रकृति ने भी एक रिश्ता बना रखा है. दरअसल, भारत और नेपाल के बीच संपर्क बेहद सहज है. दूसरी तरफ अगर नेपाल चीन के साथ संपर्क बेहतर बनाने की कोशिश करता है तो बीच में हिमालय आता है. कहने का मतलब यह है कि जिस सहजता के साथ नेपाल की भौगोलिक स्थिति भारत के साथ जुड़ी हुई है, उतनी जटिल स्थिति चीन-नेपाल के बीच है.

लेकिन, दोनों देशों ने संपर्क बढ़ाने के लिए इसी बेहद नाजुक हिमालयी इलाके में बड़े पैमाने पर सड़क और दूसरी बुनियादी परियोजनाएं खड़ी की हैं. अब 26 अगस्त को आई भयावह बाढ़ ने इसी पूरे इलाके की कमजोरी को सामने ला दिया है. चीन-नेपाल सीमा पर ग्लेशियर से जुड़ी आपदा के बाद सड़कें, पुल, बंदरगाह और दूसरी परियोजनाएं तबाह हो गईं. चीन का ग्यिरोंग बंदरगाह और नेपाल का रसुवागढ़ी ड्राई पोर्ट भी बुरी तरह प्रभावित हुए. अब सवाल है कि आखिर चीन और नेपाल के बीच बनाए जा रहे इन सड़क संपर्कों में ऐसा क्या है, जिसने इस पूरे इलाके को इतना संवेदनशील बना दिया है?

चीन और नेपाल को जोड़ने वाला फ्रेंडशिप हाईवे करीब 800 किलोमीटर लंबा मार्ग है. यह तिब्बत के ल्हासा से नेपाल सीमा तक जाता है. सीमा के बाद नेपाल की तरफ अरनिको हाईवे इसे काठमांडू से जोड़ता है. यानी यह पूरा मार्ग चीन और नेपाल के बीच व्यापार और आवाजाही का बेहद अहम रास्ता है. समस्या यह है कि यह कोई सामान्य इलाका नहीं है. यह दुनिया के सबसे संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्रों में से एक है. यहां ग्लेशियर हैं. बफीर्ली झीलें हैं. बेहद खड़ी पहाड़ियां हैं. जमीन के नीचे सक्रिय भूगर्भीय संरचनाएं हैं. ऐसे में सड़क चौड़ी करने से लेकर सुरंग और दूसरी परियोजनाएं बनाने तक का हर काम जोखिम से भरा है. 2024 के एक वैज्ञानिक अध्ययन में चीन-नेपाल के परिवहन गलियारों के आसपास 2,688

ग्लेशियर झीलों की पहचान की गई थी. अध्ययन के मुताबिक इनमें से कई इलाके ग्लेशियर झील फटने से आने वाली बाढ़ यानी जीएलओएफ के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं. इसमें क्यिरुंग-काठमांडू गलियारे को भी उच्च जोखिम वाले इलाकों में रखा गया था. अध्ययन ने यह भी मॉडल किया कि बड़े ग्लेशियर झील विस्फोट की स्थिति में करीब 103 किलोमीटर चीन-नेपाल हाईवे, 103 पुल, दो बड़े ड्राईपोर्ट और 3,301 इमारतें प्रभावित हो सकती हैं. यानी खतरे की तस्वीर आज से नहीं, पहले ही सामने आ चुकी थी.

सड़क निर्माण से बढ़ा हिमालय का जोखिम?

यहां सबसे बड़ा सवाल यही है. क्या तबाही सिर्फ प्राकृतिक आपदा थी या इंसानी गतिविधियों ने नुकसान बढ़ाया? इसका सीधा जवाब देना जल्दबाजी होगी. 26 अगस्त की आपदा का तत्काल कारण ग्लेशियर और भूस्खलन से पैदा हुई अचानक बाढ़ थी. लेकिन, जिस इलाके में यह हादसा हुआ, वहां पिछले कुछ वर्षों में सड़क चौड़ीकरण, मरम्मत और दूसरी निर्माण गतिविधियां तेजी से हुई हैं. इसी वजह से अब इन परियोजनाओं की पर्यावरणीय कीमत पर सवाल उठ रहे हैं. 2024 के एक अन्य अध्ययन में चीन-नेपाल ट्रांसपोर्ट गलियारों पर निर्माण गतिविधियों और जीएलओएफ के बढ़ते खतरे के बीच संबंध की ओर ध्यान दिलाया गया था. शोधकताओं ने कहा था कि ग्लेशियरों के पीछे हटने और जलवायु परिवर्तन से ग्लेशियर झीलों का खतरा बढ़ रहा है. दूसरी तरफ हिमालय में बुनियादी ढांचे और हाईड्रो प्रोजेक्ट के विस्तार से इन इलाकों में लोगों और ढांचे की मौजूदगी भी बढ़ रही है. यानी खतरा सिर्फ प्रकृति से नहीं है. समस्या यह भी है कि इंसान तेजी से उन्हीं इलाकों में पहुंच रहा है, जहां प्रकृति पहले से बेहद अस्थिर है.

चीन से जुड़ने की कीमत चुका रहा नेपाल

नेपाल के लिए चीन से सड़क संपर्क बढ़ाना रणनीतिक और आर्थिक दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण है. चीन के साथ व्यापार बढ़ाने और भारत पर अपनी निर्भरता कम करने की उसकी कोशिश लंबे समय से चल रही है. लेकिन भौगोलिक हकीकत बदलना आसान नहीं है. नेपाल और चीन के बीच हिमालय दीवार की तरह खड़ा है. इसलिए चीन से जुड़ने वाला हर बड़ा सड़क संपर्क बेहद ऊंचे और कठिन इलाकों से होकर गुजरता है. फ्रेंडशिप हाईवे भी इसी हिमालयी इलाके से गुजरता है. इसके कई हिस्से भूस्खलन, हिमस्खलन और ग्लेशियर से जुड़ी घटनाओं के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं. 26 अगस्त की घटना ने इस कमजोरी को और साफ कर दिया. नेपाल की तरफ बेट्रावती से रसुवागढ़ी सीमा तक करीब 42 किलोमीटर सड़क बाढ़ में कई जगह बह गई. कई पुल भी टूट गए. यानी जिस संपर्क को नेपाल अपनी आर्थिक ताकत बढ़ाने का रास्ता मान रहा था, वही रास्ता एक झटके में उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गया.

मोदी के नेतृत्व में अमेरिका के 'चोले' से चुपचाप निकल गया भारत, न्यूयॉर्क टाइम्स ने की तारीफ तो देश में चर्चा

अमेरिका के एक बड़े अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भर-भरकर तारीफ की है। इसमें पीएम मोदी के बारे में कई अहम बातें कही गई हैं। अब इसकी देशभर में चर्चा हो रही है।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ अब अमेरिका के प्रतिष्ठित अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी की है। इस लेख में बड़ा जिक्र यह है कि भारत पिछले एक साल से चुपचाप क्या-क्या कर रहा है। इसके हालिया एनालिसिस में कहा गया है कि 'पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निपटने के लिए तैयारी कर रहे हैं, एक बार में एक डील के साथ'। इसमें कहा गया है कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल दुनिया भर में भारत की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारियों का नेटवर्क बढ़ाने में बिताया है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक (DGP) रहे शेष पॉल वैद ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- ठळ का यह विश्लेषण अच्छा है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया भर के अलग-अलग देशों की यात्रा कर रहे हैं और समझौते कर रहे हैं, लेकिन इससे यह नतीजा निकालना गलत है कि यह अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ है। भारत एक संप्रभु देश है और वह ऐसे व्यापार और समझौते करने के लिए स्वतंत्र है जो हमारे विकास और तरक्की के लिए फायदेमंद हों, खासकर तब जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का सख्त रुख भारत के हितों को नुकसान पहुंचा रहा हो। अपने हितों की रक्षा के लिए काम करने का मतलब यह नहीं है कि आप अमेरिका के खिलाफ काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने साल भर में किए 20 दौरे

NYT के अनुसार, अगस्त 2025 से, पीएम मोदी ने कम से कम 20 देशों का दौरा किया है, जबकि 13 देशों के नेताओं ने भारत की यात्रा की है। अखबार इनमें से कई मुलाकातों को सिर्फ कूटनीतिक शिष्टाचार के आदान-प्रदान के बजाय खास लक्ष्यों को हासिल करने के मकसद से की गई ठोस, कारोबारी बातचीत बताता है। और इसके नतीजे अब साफ दिखने लगे हैं।

पीएम मोदी ने अगस्त, 2025 से अब तक कम से कम 20 देशों का दौरा किया है, जबकि 13 देशों के नेताओं ने भारत की यात्रा की है।

भारत और ब्रिटेन में डील बड़ी भूमिका

एक्स पर पॉलिटिकल एनालिस्ट ने लिखा-भारत-वड FTA, जो 15 जुलाई 2026 को लागू हुआ, हजारों उत्पादों पर टैरिफ कम करता है या खत्म करता है। स्कॉच व्हिस्की पर भारत का टैरिफ तुरंत 150% से घटकर 75% हो जाएगा और 10 सालों में 40% हो जाएगा, जबकि भारतीय सामानों के 99% हिस्से पर UK का टैरिफ खत्म कर दिया जाएगा। इस समझौते से लंबे समय में सालाना द्विपक्षीय व्यापार में £25.5 बिलियन की बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

यूरोपीय संघ से समझौता एक ऐतिहासिक कामयाबी

लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद, भारत और एव ने 27 जनवरी 2026 को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के लिए बातचीत पूरी की। यूरोपीय आयोग एव को भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बताता है, जिसका 2025 में सामान का व्यापार €118 बिलियन का था। यह व्यापार के साथ-साथ आर्थिक सुरक्षा भी देता है।

फ्रांस से AI, इनोवेशन और रणनीतिक सहयोग

भारत और फ्रांस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, रिसर्च और शिक्षा में सहयोग को और गहरा किया है। दोनों देशों ने पेरिस में 2025 AI एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता की, जिसमें अक से जुड़े लगभग 100 ठोस कदम उठाए गए, और फरवरी 2026 में अपने रिश्तों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी'

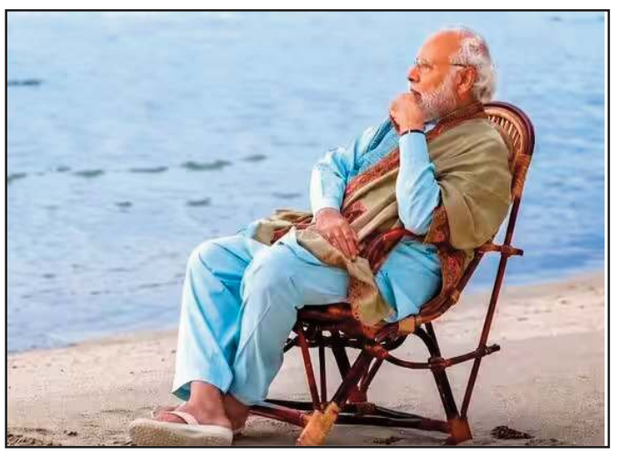

के स्तर तक बढ़ाया।

नॉर्वे और EFTA निवेश और नौकरियां

भारत-EFTA आर्थिक साझेदारी, जिसमें नॉर्वे भी शामिल है, के तहत EFTA देशों का लक्ष्य है कि वे 15 सालों में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश जुटाएं और दस लाख नौकरियां पैदा करने में मदद करें। नॉर्वे की सरकार ने इस वादे को फिर से दोहराया है।

दक्षिण कोरिया जहाज निर्माण और मैन्युफैक्चरिंग

दक्षिण कोरिया ने भारत के साथ ज्यादा निवेश और जहाज निर्माण में सहयोग करने का वादा किया है। इस साझेदारी में औद्योगिक सहयोग शामिल है, जिसमें भारतीय शिपयार्ड और कोरियाई जहाज निर्माण की विशेषज्ञता का तालमेल भी शामिल है। भारत का लक्ष्य 2047 तक दुनिया के शीर्ष पांच जहाज निर्माण करने वाले देशों में शामिल होना है।

न्यूजीलैंड के साथ समुद्री सुरक्षा समझौता

भारत और न्यूजीलैंड के बीच संबंध पारंपरिक कूटनीति से आगे बढ़ गए हैं। अब बातचीत समुद्री सुरक्षा और व्यापार पर केंद्रित है, जो पहले हुए रक्षा सहयोग समझौते पर आधारित है।

जर्मनी रक्षा तकनीक का खासतौर पर जिक्र

खास तौर पर जर्मनी की पनडुब्बी तकनीक का जिक्र करता है, जो भारत की हालिया कूटनीतिक कोशिशों के ठोस नतीजों में से एक है। बात सिर्फ यह नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी विदेश यात्रा करते हैं। भारतीय प्रधानमंत्री हमेशा से विदेश यात्राएं करते रहे हैं।

जिस फर्क को उजागर करता है, वह है सिर्फ बड़े-बड़े बयानों के बजाय खास मकसदों, मापने योग्य लक्ष्यों और ठोस आर्थिक या रणनीतिक नतीजों पर ध्यान देना।

भारत की अपनी रणनीतिक जरूरतें

अखबार यह भी बताता है कि देश खुद भी भारत की ओर तेजी से देख रहे हैं, जिसकी वजह भारत की अर्थव्यवस्था का आकार और विकास और उनकी अपनी रणनीतिक जरूरतें हैं।

जापान और ऑस्ट्रेलिया इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अहम साझेदार हैं। फ्रांस अक और रणनीतिक तकनीक के मामले में भारत के साथ काम कर रहा है। यूरोप व्यापार का एक बड़ा मौका दे रहा है। वड के साथ व्यापार समझौता पहले ही लागू हो चुका है। नॉर्वे और अन्य EFTA देशों ने बड़े निवेश का वादा किया है। दक्षिण कोरिया भारत की जहाज बनाने की क्षमता पर नजर रखे हुए है।

मेलोनी को टॉफी का पैकेट भी एक संदेश

इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ एक मीटिंग के दौरान, पीएम मोदी ने उन्हें 'मेलोडी' टॉफी का एक पैकेट भेंट किया - एक छोटा सा ऐसा काम जिसे खास माना और उसका जिक्र किया। इससे मिलने वाला बड़ा संदेश साफ है-भारत अपनी सभी उम्मीदें या संसाधन किसी एक ही जगह पर नहीं लगा रहा है।

आज की अनिश्चित दुनिया में, भारत व्यापार, रक्षा, टेक्नोलॉजी, ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा, जरूरी मिनरल्स, शिक्षा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में अपने विकल्पों का दायरा बढ़ा रहा है। मकसद अमेरिका के खिलाफ होना या डोनाल्ड ट्रंप से ऊपर दिखना नहीं है। इसका मकसद यह पक्का करना है कि व्हाइट हाउस में चाहे कोई भी बैठे, भारत रणनीतिक रूप से स्वतंत्र और आर्थिक रूप से मजबूत बना रहे। NYT के विश्लेषण का असली महत्व यही है।

फ्रांस से लेकर जर्मनी, ब्रिटेन से लेकर नॉर्वे, दक्षिण कोरिया से लेकर न्यूजीलैंड, जापान से लेकर ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ तक, भारत स्पष्ट हितों और नतीजों वाली साझेदारियां बना रहा है। विदेश नीति का असल मकसद यही होता है कि आप अपने देश के लिए क्या हासिल करते हैं। और तेजी से, भारत टेक्नोलॉजी, निवेश, बाजार तक पहुंच, नौकरियां, रणनीतिक साझेदारियां और भारतीय कारोबारियों व नागरिकों के लिए नए मौके हासिल कर रहा है।

आत्मविश्वास से भरा भारत अब दुनिया के उसे चुनने का इंतजार नहीं कर रहा है। भारत अपना रास्ता खुद चुनने के लिए काफी साझेदारियां बना रहा है।

लियोनेल मेसी का बड़ा ऐलान, इंटरनेशनल फुटबॉल से लिया संन्यास; खत्म हुआ अर्जेंटीना के सुपरस्टार का युग!

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः फुटबॉल की दुनिया से एक बड़ी खबर सामने आई है। अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। मेसी ने खुद अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर एक भावुक पोस्ट लिखकर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वे अर्जेंटीना की जर्सी में नजर नहीं आएंगे।

स्पेन से फाइनल हार के बाद लिया फैसला

मेसी ने अपने बयान में बताया कि उन्होंने यह फैसला स्पेन के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल हारने के दो दिन बाद ही ले लिया था। उन्होंने 21 जुलाई को ही अपना संन्यास नोट लिख दिया था, लेकिन अब जाकर इसे सार्वजनिक किया है।

39 वर्षीय मेसी ने कहा कि उनके पिता के निधन ने इस फैसले को और पक्का कर दिया। इसी महीने उनके पिता का निधन हुआ था और उसके बाद से ही वे फुटबॉल से दूर होने पर विचार कर रहे थे।

इमोशनल पोस्ट में कही दिल की बात

मेसी ने अपने पोस्ट में लिखा, "फाइनल के बाद से इतने समय तक और इस बारे में बहुत सोचने के बाद, मैं सभी को बताना चाहता हूं कि मैं नेशनल टीम से संन्यास ले रहा हूं। यह एक ऐसा फैसला था जिससे दुख हुआ, और अब भी बहुत दुख होता है, लेकिन मैं समझता हूं कि यही सही समय है।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं कसम खाता हूं कि मैंने हमेशा अपना सब कुछ दिया, न सिर्फ पिछले कुछ सालों में जब हमने सब कुछ जीता, बल्कि उससे पहले भी। मैंने हमेशा इस शर्ट के लिए संघर्ष किया और अपना सब कुछ दिया, ताकि आपको खुशी मिल सके और फुटबॉल के जरिए अर्जेंटीना होने पर गर्व महसूस हो सके।"

मेसी ने कहा कि अर्जेंटीना के लिए खेलना छोड़ना आसान नहीं था। उन्हें इस टीम का हिस्सा रहना हमेशा पसंद रहा। लेकिन अब उनके पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है और यह समय नई पीढ़ी के लिए जगह छोड़ने का है। उन्होंने कहा कि कई बेहतरीन युवा खिलाड़ी आ रहे हैं जो अपने मौके के हकदार हैं।

फैंस और परिवार को कहा शुक्रिया

अपने संदेश के आखिर में मेसी ने फैंस, परिवार, कोच और टीम के साथियों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, "इन 20 सालों में मिले प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। मुझे स्टेडियम के अंदर से आपकी आवाज सुनना बहुत याद आएगा। अब मैं आप में से ही एक बन जाऊंगा, हमेशा बाहर से समर्थन करूंगा।"

उन्होंने लिखा, "भगवान, मुझे अर्जेंटीना का नागरिक बनाने के लिए आपका शुक्रिया। चलो, अर्जेंटीना! मैंने ये शब्द 21 जुलाई को फाइनल के दो दिन बाद लिखे थे। आज, मेरे पिता के साथ जो हुआ, उसके बाद मेरा यकीन और भी पक्का हो गया है।" मेसी के इस फैसले से पूरी दुनिया के

कॉपी करना है तो बेहतर वर्जन बनाओ. उर्वशी रौतेला के कान्स फैशन लुक पर क्यों नाराज हुए संदीप खोसला?

(जीएनएस)।

: फैशन की दुनिया में किसी आइकॉनिक लुक से इंस्पिरेशन लेना अलग बात है और किसी डिजाइन को लगभग हूबहू दोहराना अलग. यही फर्क तब चर्चा में आ गया, जब उर्वशी रौतेला का 2026 कान्स फिल्म फेस्टिवल वाला साड़ी लुक सोशल मीडिया पर निशाने पर आया. अब मशहूर डिजाइनर संदीप खोसला ने इस पूरे मामले पर ऐसी बेबाक टिप्पणी की है, जिसने फैशन इंडस्ट्री में नई बहस छेड़ दी है.

उर्वशी के लुक में लोगों को दिखी कॉपी

2026 कान्स फिल्म फेस्टिवल में उर्वशी रौतेला आइवरी चिकनकारी स्टाइल साड़ी और भारी गोल्डन एम्बेलिश्ड ब्लाउज में नजर आई थीं. उनके इस लुक की तुलना तुरंत गिगी हदीद के उस चर्चित आउटफिट से होने लगी, जिसे उन्होंने मार्च 2023 में मुंबई के ठटअउउ की ग्रैंड ओपनिंग में पहना था. गिगी ने अबू जानी संदीप खोसला का डिजाइन पहना था. उर्वशी के आउटफिट का इस लुक से काफी मिलता-जुलता बताया और डिजाइन को लेकर सवाल उठाए.

संदीप खोसला ने एक इंटरव्यू के दौरान क्या कहा?

शनिवार 29 अगस्त 2026 को ठउळश को दिए इंटरव्यू में संदीप खोसला से जब कॉउचर की नकल और रेप्लिका को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने अपनी राय बेहद स्पष्ट तरीके से रखी. उन्होंने कहा कि अगर कोई उनके डिजाइन से प्रेरणा लेना चाहता है या कॉपी करना चाहता है, तो कम से कम उसका बेहतर वर्जन बनाने की कोशिश होनी चाहिए.

संदीप खोसला ने उवर्शी के लुक का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने

कुछ दिन पहले इसे देखा था और उन्हें लगा कि उर्वशी ने गिगी हदीद वाला उनका डिजाइन कॉपी किया है. एक इन्फ्लुएंसर की पोस्ट में कथित तौर पर लोगों को यह बताया जा रहा था कि ओरिजिनल अबू जानी-संदीप खोसला आउटफिट कहां से बनवाया जा सकता है.

या तो एक्सपोजर नहीं है या बहुत ज्यादा है- संदीप खोसला

उर्वशी के लुक पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए डिजाइनर ने कहा कि उनके मुताबिक, इतनी सीधी कॉपी करने के पीछे या तो पर्याप्त फैशन एक्सपोजन की कमी हो सकती है या फिर बहुत ज्यादा एक्सपोजर. उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि किसी कलाकार के काम को कॉपी करने के बजाय उसमें अपना क्रिएटिव टच क्यों नहीं जोड़ा गया.

संदीप खोसला ने सिर्फ आउटफिट पर ही सवाल नहीं उठाया, बल्कि सोशल मीडिया पर कॉपी किए गए डिजाइन को प्रमोट किए जाने पर भी निराशा जताई. उनका कहना था कि किसी ओरिजिनल डिजाइन की नकल करने के बजाया उसमें कुछ नया जोड़ा जाना चाहिए. और फिर, वह व्यक्ति (इन्फ्लुएंसर) असल में कॉपी होने को बढ़ावा दे रहा है, जो मुझे सच में लगता है

कम से कम कुछ फर्क तो होना ही चाहिए, या कुछ तो करना चाहिएङ्घ यह एक आर्टिस्ट का खुद का टेक होना चाहिए कि वह कुछ और करे. साथ ही, इसे बहुत आसान फैशन कहते हैं.

गिगी के ओरिजनल लुक में लगी थी लंबी मेहनत

गिगी हदीद ने 2023 में जो अबू जानी संदीप खोसला साड़ी पहनी थी, उसे तैयार करने में कथित तौर पर करीब एक साल का समय लगा था. इसके बारीक हाथ के काम और कारीगरी ने इसे खास बनाया था. यही वजह है कि उर्वशी के कान्स लुक की तुलना जब गिगी के आउटफिट से हुई, तो मामला सिर्फ फैशन पसंद तक सीमित नहीं रहा. इसने डिजाइन की कारीगरों की मेहनत और कॉउचर की नकल को

लखनऊ के बंथरा में बड़ा हादसा: नाले में डूबे छात्र का 24 घंटे बाद मिला शव, परिवार में कोहराम

(जीएनएस)।

नगवा नाले में डूबे 18 वर्षीय छात्र का शव 24 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बरामद कर लिया गया। रेस्क्यू की दो टीमों ने दो नावों के साथ लगातार सर्च ऑपरेशन चलाकर शव को बाहर निकाला।मृतक की पहचान कृष्णानगर पंडित खेड़ा निवासी साहिल (18) के रूप में हुई है। शव मिलते ही घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।सूचना पर बंथरा पुलिस समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया बताया जा रहा है कि साहिल रविवार दोपहर स्विमिंग पूल जाने का बहाना बनाकर अपने दोस्तों के साथ खुर्रमपुर पावर हाउस के पास नगवा नाले में नहाने गया था। इसी दौरान रील बनाते समय पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव में बह गया था।

शहर के नामी कार्डियोलॉजी अस्पताल में गरीब युवक के लिए इलाज ही नहीं, बताया दिल्ली जाओ

(जीएनएस)।

कानपुर नगर, आरोप है कि गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र मैथानी की मदद से इलाज के लिए पहुंचे एक गरीब पीड़ित युवक को अस्पताल में करीब 20 दिनों तक भर्ती रखा गया, लेकिन उसका उपचार नहीं किया गया। पीड़ित युवक के अनुसार उसे 15 दिन बाद आने को कहा गया। जब युवक दोबारा अस्पताल पहुंचा तो कथित तौर पर इलाज से ही इनकार कर दिया गया और डळ खराब होने का हवाला देकर वापस भेज दिया गया।

डॉ. नीरज कुमार भी मरीज की गंभीर स्थिति जानने के बावजूद उसका इलाज करने से किया इंकार। इतना ही नहीं, मरीज के साथ अस्पताल के डॉक्टरों के पीए की अभद्र व्यवहार ने भी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक तरफ प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक अपने भाषणों व औचक निरीक्षणों में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में गरीबों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के दावे करते घूम रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कानपुर कार्डियोलॉजी में गरीब मरीज को इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है फि लहाल स्वास्थ्य व्यवस्था तो डामा डोल है ही तो वहीं गरीब की मजबूरी इलाज के रास्ते की दीवार बनती जा रही है

'गूगल मैप' के सहारे चुनावी वैतरणी पार करने निकले बाहरी 'दिग्गज' ना गांव का पता, ना बॉर्डर पता

(जीएनएस)।

लखनऊः लखनऊ जिला कोर्ट के आसपास अवैध निमार्णों पर बुलडोजर कार्रवाई।

हाईकोर्ट के आदेश पर रविवार शाम लखनऊ जिला कोर्ट परिसर के आसपास बने 72 अवैध वकील चैंबरों और दुकानों पर नगर निगम ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की। इनमें नाले के ऊपर बने अवैध चैंबर भी शामिल हैं।

कल करीब 4:30 बजे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद नगर निगम की टीम 8 बुलडोजर और हाईवा के साथ पहुंची। सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया और कार्रवाई से पहले इलाके की बिजली आपूर्ति भी बंद कराई गई।

नगर निगम ने इन अवैध निमार्णों को पहले ही चिन्हित कर नोटिस जारी किए थे और 30 अगस्त तक चैंबर खाली करने के निर्देश दिए गए थे। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन तत्काल राहत नहीं मिलने के बाद कार्रवाई शुरू की गई।

कार्रवाई के दौरान वकीलों ने विरोध किया और अधिकारियों से केवल निर्धारित 72 चैंबरों व दुकानों पर ही कार्रवाई करने की मांग की। विरोध और बहस के बावजूद नगर निगम ने अवैध निर्माण हटाने का अभियान जारी रखा।

उन्नाव पुलिस लाइन में 5 पुलिसकर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

(जीएनएस)।

उन्नाव। पुलिस लाइन सभागार में शनिवार को आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए 5 पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी शैलेंद्र लाल ने सेवानिवृत्त होने वाले सभी पुलिसकर्मियों को माला पहनाकर, उपहार भेंट कर उनके उज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी।उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में रहकर सभी ने पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ अपनी सेवाएं दी हैं, विभाग उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा।इस अवसर पर

पुलिस लाइन प्रतिसार निरीक्षक सचिन राय सहित पुलिस लाइन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बिल्हौर मकनपुर अरौल क्षेत्र में सड़कों की बदहाली पर बड़ा सवाल!

(जीएनएस)।

सड़क बनी गड्ढों का जाल, जिम्मेदार बेखबर—तो मैदान में उतरे अनुभव कटियार!

बिल्हौर-मकनपुर-अरौल-बरंडा क्षेत्र की बदहाल और गड्ढों से भरी सड़कों ने राहगीरों का चलना मुश्किल कर दिया है। आए दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ऐसे में जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी अनुभव कटियार ने जनसमस्या को देखते हुए खुद मोर्चा संभाला। अभियान चलाकर दर्जनों गहरे गड्ढों में जेसीबी मशीन से मिट्टी डलवाई गई और ईंटों का भराव कराया गया।

जनता का सवाल—जब सड़कें जानलेवा गड्ढों में बदल गईं, तब जिम्मेदार आखिर कब जागेंगे?

स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की हालत खराब थी, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। अब जनहित को देखते हुए अनुभव कटियार द्वारा कराए गए इस कार्य से राहगीरों को राहत मिलने की उम्मीद है।

गड्ढों से जंग, जनता के संग—मैदान में अनुभव कटियार!

जेसीबी चली, गड्ढे भरे—सड़क की बदहाली पर उठे बड़े सवाल!

जिम्मेदार सोते रहे, जनसमस्या देख प्रत्याशी ने संभाली कमान!

बड़ी खबरः बिल्हौर क्षेत्र में सड़क के गड्ढों पर चला अभियान, अनुभव कटियार ने कराया दर्जनों गड्ढों का भराव!

दरवाजे तक पहुंचे बिना रिफिल बुकिंग रद्द, पूरनपुर गैस सर्विस पर उपभोक्ता ने उठाए सवाल

(जीएनएस)।

पीलीभीत। पूरनपुर गैस सर्विस की कार्यप्रणाली को लेकर एक उपभोक्ता ने गंभीर सवाल उठाए हैं। शेरपुर कलां निवासी जमील खान का आरोप है कि गैस सिलेंडर की बुकिंग और बिल जारी होने के बावजूद एजेंसी ने उनके घर डिलीवरी भेजे बिना ही बुकिंग निरस्त कर दी। बताया गया कि शेरपुर कलां की गैस एजेंसी बंद होने के बाद वहां के कुछ उपभोक्ताओं के कनेक्शन पूरनपुर गैस सर्विस से जोड़ दिए गए थे। इसी क्रम में जमील खान ने इंडेन गैस रिफिल की बुकिंग कराई। बुकिंग के बाद उनके नाम पर 947.50 रुपये का इनवॉइस भी जनरेट हुआ और डिलीवरी से संबंधित डीएसी कोड मोबाइल पर प्राप्त हुआ।

उपभोक्ता के मुताबिक कई दिनों तक सिलेंडर की प्रतीक्षा करने के बावजूद कोई डिलीवरी कर्मी उनके घर नहीं पहुंचा। इसके बाद मोबाइल पर बुकिंग निरस्त किए जाने का संदेश आया। इसमें कथित तौर पर कारण बताया गया कि उपभोक्ता के पास खाली सिलेंडर उपलब्ध नहीं था।जमील खान का कहना है कि जब एजेंसी का कोई कर्मचारी सिलेंडर देने के लिए उनके घर आया ही नहीं और न ही खाली सिलेंडर के संबंध में उनसे संपर्क किया गया, तो ऐसी रिपोर्ट किस आधार पर दर्ज की गई।

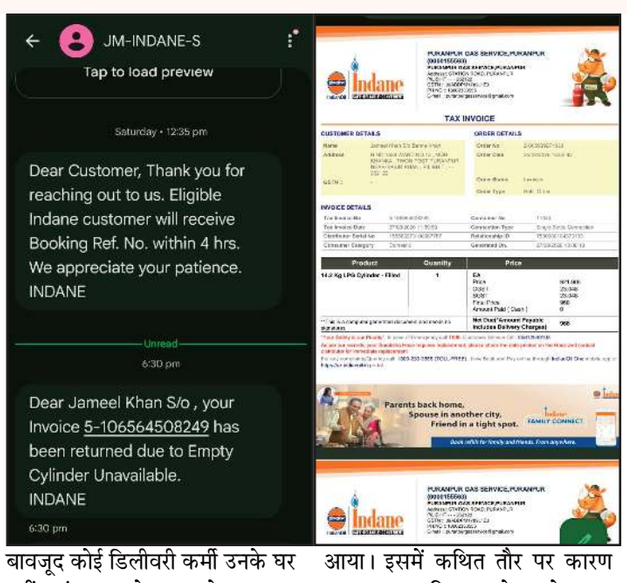

उन्होंने पूरे मामले में एजेंसी की कार्यप्रणाली की जांच की मांग की है। उपभोक्ता ने बुकिंग, इनवॉइस और मोबाइल संदेश समेत संबंधित डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित होने का दावा किया है। उनका कहना है कि वह मामले की शिकायत संबंधित अधिकारियों से कर एजेंसी की जिम्मेदारी तय कराने की मांग करेंगे। वहीं, मामले में गैस एजेंसी का पक्ष सामने नहीं आ सका है। जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

समाजवादी पार्टी के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव के नेतृत्व में विकास खण्ड ककवन के ग्राम मानावा में पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया।

(जीएनएस)।

बिल्हौर कानपुर नगर, विधानसभा अध्यक्ष ने चौपाल का आयोजन किया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं तथा पिछड़े, दलित एवं अल्पसंख्यक समाज के लोगों ने भाग लिया। इस दौरान सपा नेताओं ने पार्टी की नीतियों और समाजवादी सरकार के कार्यकाल में किए गए जनहितकारी कार्यों की जानकारी ग्रामीणों को दी।

चौपाल को संबोधित करते हुए विनय यादव ने कहा कि पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से बराबरी का अधिकार दिलाना समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी केवल चुनाव के समय लोगों के बीच जाने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि लगातार गांव-गांव पहुंचकर जनता की समस्याओं को सुनने और उनके हक की आवाज उठाने का काम कर रही है।

उन्होंने पिछली समाजवादी सरकार के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सपा सरकार ने प्रदेश में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए थे। उन्होंने ग्रामीणों से समाजवादी पार्टी की नीतियों को समझने और पीडीए समाज को एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आगे आने का आह्वान किया।

विनय यादव ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में यदि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो परिवारों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने तथा महिलाओं को 40 हजार रुपये वार्षिक सहायता देने का संकल्प पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं होगी, बल्कि प्रदेश की महिलाओं, गरीबों और वंचित वर्गों को सम्मान और आत्मनिर्भरता देने की दिशा में बड़ा कदम होगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी और बिजली की समस्याओं से आम जनता परेशान है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान, मजदूर, युवा और छोटे व्यापारी लगातार आर्थिक दबाव महसूस कर रहे हैं। ऐसे में समाजवादी पार्टी पीडीए समाज सहित सभी वर्गों को साथ लेकर प्रदेश में सामाजिक न्याय और विकास की राजनीति को आगे बढ़ाना चाहती है।

चौपाल के दौरान विनय यादव ने पीडीए समाज के लोगों को समाजवादी पार्टी की विचारधारा से जोड़ते हुए उनका सम्मान किया और कहा कि समाजवादी पार्टी में प्रत्येक कार्यकर्ता और समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान और भागीदारी देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव से मिल रहा निरंतर जनसमर्थन इस बात का संकेत है कि जनता बदलाव के लिए तैयार है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, ग्रामीणों से निरंतर संवाद बनाए रखने तथा समाजवादी पार्टी की नीतियों और आगामी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, पार्टी कार्यकर्ता एवं स्थानीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

मलिहाबाद पुलिस का सराहनीय कार्य, जनता ने की प्रशंसा

(जीएनएस)।

मलिहाबाद, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद थाना पुलिस की सक्रियता और सतर्कता से क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है। अपराध पर नियंत्रण के लिए मलिहाबाद पुलिस द्वारा किए जा रहे गुड वर्क की क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है।सहायक पुलिस आयुक्त ज्ञानेंद्र कुमार सिंह के कुशल निर्देशन और थाना प्रभारी सुरेंद्र भाटी के नेतृत्व में मलिहाबाद पुलिस टीम लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग कर रही है। मिजार्गंज चौकी प्रभारी श्री प्रकाश द्वारा कस्बा क्षेत्र के प्रमुख चौराहों, मलिहाबाद चौराहा और मिजार्गंज चौराहा पर विशेष निगरानी बरती जा रही है। पुलिस की पैनी नजर और लगातार गश्त से चोरी, छिनैती और अराजकता जैसी घटनाओं में कमी आई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब से कस्बा इंचार्ज श्री प्रकाश ने कार्यभार संभाला है, तब से चौराहे पर जाम और अव्यवस्था की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और आम जनता खुद को सुरक्षित महसूस कर रही है। पुलिस आम लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण भी कर रही है।

पुलिस के इस सराहनीय कार्य को लेकर समाजसेवी रितिक रावत ने कहा, मलिहाबाद पुलिस प्रशासन बधाई का पात्र है। ऐसे कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों को दिल से सैल्यूट है, जिनकी वजह से मलिहाबाद में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है।क्षेत्रीय जनता ने मलिहाबाद पुलिस के इस गुड वर्क के लिए आभार व्यक्त किया है।

चंद्रपुरा में गूंजे ढोल-नगाड़े, डीजे की धुन पर झूमा गांव – अंशुल कुमार का जन्मदिन बना भव्य जश्न!

- ककवन ब्लाक की ग्राम पंचायत चंद्रपुरा में दिखा जबरदस्त उत्साह
- डीजे, ढोल-नगाड़ों और शानदार जश्न के बीच मनाया गया जन्मदिन
- शुभचिंतकों और दोस्तों ने दी अंशुल कुमार को ढेरों बधाइयां

(जीएनएस)।

बिल्हौर/ककवन। ग्राम पंचायत चंद्रपुरा में अंशुल कुमार का जन्मदिन इस बार बेहद खास और यादगार अंदाज में मनाया गया। डीजे की धमाकेदार धुनों और ढोल-नगाड़ों की गूंज ने पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया।

जन्मदिन समारोह में खुशी और उत्साह का जबरदस्त नजारा देखने को मिला। परिजन, मित्र और शुभचिंतक बड़ी संख्या में मौजूद रहे और सभी ने अंशुल कुमार को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं लंबी आयु की कामना की।

चंद्रपुरा में छाया जन्मदिन का जश्न — अंशुल कुमार के नाम रही खुशियों भरी शाम!

'डीजे बजा, ढोल नगाड़े बजे और देखते ही देखते जन्मदिन का जश्न बन गया चंद्रपुरा की बड़ी चर्चा!'

सुभाष कुमार अंशुल के पिता अर्चना माता अनिल कुमार विकास कुमार आकाश अखिलेश अरूण विमलेश कुमार डाक्टर श्याम नीरज कुमार पत्रकार सहित भारी संख्या में समस्त ग्राम वासी मौजूद रहे

'गूगल मैप' के सहारे चुनावी वैतरणी पार करने निकले बाहरी 'दिग्गज'ना गांव का पता, ना बॉर्डर पता

बीसलपुर विधानसभा में पैराशूट दावेदारों का जमावड़ा

(जीएनएस)।

बीसलपुर चुनावी बिगुल बजते ही 130 बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र में 'सफेदपोश' दावेदारों की बाढ़ सी आ गई है। गाड़ियों के लंबे काफिले, महंगे फ्लेक्स और सोशल मीडिया पर चमकते चेहरों के साथ क्षेत्र की राजनीति में उतरे बाहरी प्रत्याशियों ने हलचल बढ़ा दी है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चुनाव मैदान में ताल ठोक रहे इन 'पैराशूट' नेताओं को बीसलपुर की भौगोलिक स्थिति तक का इल्म नहीं है।

भूगोल से बेखबर, टिकट पर नजर

स्थानीय कार्यकताओं और मतदाताओं के बीच यह चर्चा का मुख्य विषय बना हुआ है कि बाहर से आए इन दावेदारों को यह तक नहीं मालूम कि विधानसभा की सीमाएं (बॉर्डर) कहां से शुरू होकर कहां खत्म होती हैं। क्षेत्र के दूर-दराज के गांवों का रास्ता तलाशने के लिए गाड़ियों में जीपीएस का सहारा लिया जा रहा है।

जमीनी स्थिति पर खड़े बड़े सवाल:

ग्राम पंचायतों से दूरीः बीसलपुर विधानसभा के प्रमुख गांवों, मजरों और वहां के ग्राम प्रधानों की जानकारी तो दूर, कई नेताओं को तो अपने समर्थकों के गांव का नाम तक ठीक से याद नहीं है।

पंचायत प्रतिनिधियों का ज्ञान शून्यः त्रिस्तरीय पंचायती राज के आधार स्तंभ यानी जिला पंचायत सदस्यों और क्षेत्र पंचायत सदस्यों (बी डी सी) के नेटवर्क और जनसमस्याओं से ये दावेदार पूरी तरह कटे हुए हैं।

नदियों और भूगोल का अभावः माला, कटना, देवहा और खन्नौत जैसी नदियों के क्षेत्र में फैले इस विधानसभा क्षेत्र के भौगोलिक ढांचे की समझ इन नेताओं को कागजों पर भी नहीं है।

स्थानीय कार्यकताओं में सुलग रहा असंतोष

क्षेत्र में वर्षों से पसीना बहा रहे निष्ठावान स्थानीय कार्यकताओं में बाहरी दावेदारों की इस आंधी को लेकर भारी रोष है।

"जो प्रत्याशी गांव की पगडंडी, क्षेत्र के बॉर्डर और प्रधान का नाम तक नहीं जानता, वह चुनाव जीतने के बाद बीसलपुर की जनता का दुख-दर्द क्या समझेगा? जनता इस बार बाहर के मेहमानों को विदा करने के मिजाज में है।" — स्थानीय कार्यकर्ता

राजनीतिक पंडितों का मानना है कि केवल सोशल मीडिया ब्रांडिंग और गाड़ियों के काफिले से चुनाव नहीं जीते जाते। बीसलपुर की जागरूक जनता इस बार 'पैराशूट' नेताओं के बजाय ऐसे चेहरे को तरजीह देने के मूड में है जो उनके बीच रहता हो और जिसके दरवाजे 24 घंटे उनके सुख-दुख के लिए खुले रहते हों।